Naidunia (Indore), 19th July 2025, Front Page – 02

आरओबी की डिजाइन पर आइआइटी इंदौर की मोहर के बाद शुरू होगा काम

दौरा ● पोलोग्राउंड और बाणगंगा आरओबी के निर्माण स्थल का मंत्री ने किया निरीक्षण

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर: पोलोग्राउंड और बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज (आरओबी) की डिजाइन को लेकर उठे विवाद के बाद पहली बार कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और तुलसीराम सिलावट ने निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने ब्रिज पर बनने वाले 90 डिग्री के मोड़ को लेकर बातचीत की, जिसमें लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने डिजाइन में गड़बड़ी की बात से साफ इन्कार किया है। साथ ही आरओबी की डिजाइन से जुड़ी बारीकियों पर भी चर्चा की गई। अधिकारियों ने तर्क दिया कि दोनों आरओबी में कहीं भी 90 डिग्री का मोड़ नहीं दिया गया है, बल्कि इन ब्रिज पर मोड़ पर तय मापदंड के हिसाब से है। पोलोग्राउंड आरओबी पर दो स्थानों और बाणगंगा पर घुमावदार मोड़ रखा गया है। विशेषज्ञों ने यातायात को ध्यान में रख आरओबी की भुजाएं बनाने पर जोर दिया है। बाद में आरओबी की डिजाइन में संशोधन पर जोर दिया, जो आइआइटी इंदौर के प्राध्यापकों के मार्गदर्शन में किया जाएगा। तब तक दोनों ब्रिज का काम बंद रखा जाएगा।

पोलोग्राउंड और बाणगंगा आरओबी को लेकर मंत्रियों ने किया निरीक्षण। ● नईदुनिया

शुक्रवार दोपहर तीन बजे नगरीय विकास मंत्री विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री सिलावट, विधायक रमेश मेंदोला, विशेषज्ञ अतुल सेठ, आइआइटी इंदौर के प्रोफेसर प्रियांशु ने निरीक्षण किया। दो घंटे चले इस निरीक्षण में पोलोग्राउंड और बाणगंगा ओओबी की डिजाइन पर चर्चा की गई। विशेषज्ञ सेठ ने कहा पोलोग्राउंड ब्रिज के मोड़ पर डिजाइन में बदलाव की जरूरत है। नमकीन क्लस्टर की तरफ निकलने वाली भुजा को बदला जाएगा, क्योंकि वहां जमीन की कमी है। बदले में इस भुजा को एमआर-4 की तरफ रखा जाए।

बाणगंगा ब्रिज की एक भुजा गौरीनगर तरफ निकल रही है, जबकि एमआर-4 से आने वाले यातायात को घूमकर जाना होगा, इससे ट्रैफिक की समस्या बढ़ेगी। बेहतर होगा इसकी भुजा को भी एमआर-4 पर निकाला जाए। इस बारे में मंत्रियों ने अधिकारियों को डिजाइन में बदलाव के लिए कहा है। इसके लिए नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और रेलवे अधिकारियों की कमेटी बनाने का सुझाव दिया है। आइआइटी इंदौर की मोहर लगने पर डिजाइन को अंतिम रूप देने की बात कही है। ब्रिज सेल की कार्यपालन यंत्री गुरुमीत कौर भाटिया का कहना है आरओबी में तय मापदंड पर कर्व बनाया गया है। वैसे बदलाव करने के बाद आइआइटी इंदौर से डिजाइन मंजूर कराई जाएगी।